1863. निम्नांकित में से राजस्थान राज्य का कौन-सा एक जिला डेयरी दुग्ध संकलन में प्रथम क्रम पर है?

(a) अलवर (b) बीकानेर
(c) जयपुर (d) भरतपुर

LDC Exam 09.08.2018

Ans. (c) राजस्थान का जयपुर जिला डेयरी दुग्ध संकलन में प्रथम क्रम पर है। राजस्थान में डेयरी विकास हेतु राजस्थान सहकारी डेयरी संघ की स्थापना 1977 ई. में की गई थी।

1864. पश्चिमी राजस्थान में दुधारू पशुओं के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा एक चारा सर्वश्रेष्ठ है?

(a) सेवण (b) धामण
(c) खस-खस (d) दूब

LDC Exam 09.08.2018

Ans. (b) पश्चिमी राजस्थान में धामण घास दूधारु पशुओं के लिए सर्वश्रेष्ठ चारा है। भारत में यह घास पंजाब, राजस्थान, गुजरात तथा हरियाणा के शुष्क क्षेत्रों में पायी जाती है। धामण का वानस्पतिक नाम सेंकरस सेटीजेरस (Cenchras Setigerus) है।

1865. निम्नलिखित पशु उत्पादों में से कौनसा एक राजस्थान का मुख्य पशु उत्पाद है?

(a) मीट (मांस) (b) दूध
(c) चमड़ा (d) अण्डा

LDC Exam 12.08.2018

Ans. (b) दूध राजस्थान का मुख्य पशु उत्पाद है। राज्य के शुष्क क्षेत्र में दूध देने वाली उन्नत नस्ल राठी, गीर, साहीवाल तथा थारपारकर प्रचुर मात्रा में है।
प्रचलित मूल्यों पर वर्ष 2021–22 में सकल मूल्य उत्पाद में पशुधन उत्पादों का प्रतिशत योगदान-
दूध-81.07%, मीट (मांस)-5.6%, अण्डा- 0.66%

1866. 'नमदा' का उत्पादन _____में होता है।

(a) टोंक (b) बूंदी
(c) जयपुर (d) अजमेर

LDC Exam 16.09.2018

Ans. (a) नमदा का उत्पादन टोंक में होता है। टोंक को 'नमदा का शहर' या नमदा नगरी भी कहा जाता है। नमदा मूल शब्द 'नमता' से बना है जो एक संस्कृत शब्द है इसका अर्थ होता है 'ऊनी चीजें'। नमदा भेड़ की ऊन से बनता है।

1867. नीवनतम पशुधन गणना के अनुसार, भारत के सभी राज्यों, बकरी की आबादी में राजस्थान का स्थान है-

(a) तीसरा (b) प्रथम
(c) दूसरा (d) चौथा

कृषि पर्यवेक्षक -2021

Ans. (b) 2019 में हुई 20 वीं पशुधन गणना के अनुसार, राजस्थान बकरी, ऊँट और गधे की आबादी में प्रथम स्थान रखता हैं। पशुधन गणना पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्रालय द्वारा आयोजित की जाती है। यह गणना 1919 से हर पांच वर्ष में एक बार आयोजित किया जाता है।

1868. भेड़ की सोनाड़ी प्रजाति अधिकांशतः राजस्थान के निम्न में से किन जिलों में पाई जाती है?

(a) जैसलमेर, भरतपुर, बाड़मेर
(b) उदयपुर, डूँगरपुर, भीलवाड़ा
(c) जयपुर, जोधपुर, टोंक
(d) गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर

RPSC SI-14-09-2021
कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)-2020

Ans. (b) भेड़ की सोनाड़ी प्रजाति अधिकांशतः राजस्थान के उदयपुर, डूंगरपुर, भीलवाड़ा क्षेत्र में पाई जाती है। सोनाड़ी प्रजाति की भेड़ ऊन एवं बालों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त मानी जाती है। सोनाड़ी का अर्थ-सुनहरे रेशे है। इसका अन्य नाम-देशी, लापड़ी, भागली है। इसका उपनाम चनोथर भेड़ भी है।

1869. निम्नलिखित में से कौन सा एक सही सुमेलित <u>नहीं</u> है?

पशु नस्ल	पशु
(a) नाली -	भेड़
(b) नागौरी -	गाय
(c) शेखावाटी -	बकरी
(d) मालपुरी -	भैंस

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक सीरम -2019

Ans. (d) मालपुरी 'भेड़' की एक नस्ल है न कि भैंस की अतः विकल्प (d) सुमेलित नहीं है। मालपुरी भेड़ की देशी नस्ल है। इस नस्ल का नाम राजस्थान राज्य के टोंक जिले के मालपुरा शहर से संबंधित है। इस नस्ल की भेड़ जयपुर, टोंक, दौसा, करौली और सवाई माधोपुर जिलों में पाई जातीहै। भैंस की प्रमुख नस्ले हैं : मुर्रा, मेहसाना, सुरती, जाफराबादी, नागपुरी, भदावरी आदि।

1870. ऊँट की नाचना नस्ल .....की है।

(a) जालौर (b) जैसलमेर
(c) नागौर (d) जोधपुर

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिक डीजल इंजन)-2018

Ans. (b) ऊँट की 'नाचना नस्ल' जैसलमेर की है। इस नस्ल की उत्पत्ति का केन्द्र नाचना गाँव (जैसलमेर) है। यह तेज धावक वाली प्रजाति होती है। इसका इस्तेमाल BSF के जवान करते हैं। राज्य में बीकानेरी नस्ल की ऊँटों की संख्या सर्वाधिक पाई जाती है।

1871. राजस्थान में मारवाड़ी नस्ल की बकरी का प्रजनन एवं अनुसंधान केन्द्र कहाँ स्थित है?

(a) बीकानेर (b) टोंक
(c) जोधपुर (d) पोखरण

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिक डीजल इंजन)-2018

Ans. (a) राजस्थान राज्य में मारवाड़ी नस्ल की बकरी का प्रजनन एवम् अनुसंस्थान केन्द्र बीकानेर में स्थित है। यह नस्ल राजस्थान में जोधपुर, पाली, नागौर, बीकानेर, जालौर, जैसलमेर, बाड़मेर जिलों में पायी जाती है।

1872. मगरा, पूगल और सोनाड़ी निम्न में से किसकी कुछ नस्लें हैं।

(a) बकरी (b) भेड़
(c) ऊँट (d) भैंस

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) (डिप्लोमाधारक)-2020
महिला सुपरवाइजर परीक्षा- 2018

Ans. (b) मगरा, पूगल, सोनाड़ी, मारवाड़ी, जैसलमेरी, चोकला, नाली आदि राजस्थानी भेंड़ की नस्लें हैं। इसी प्रकार जमुनापारी, सिरोही, अलवरी, लोही, मारवाड़ी राजस्थान में पाई जाने वाली बकरियों की प्रमुख नस्ले हैं।